विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने का सही समय : राज्यपाल

- यूटीयू के दीक्षांत समारोह में 54 मेधावी गोल्ड व 51 रजत मेडल से सम्मानित
- इसरो के चेयरमैन एस. सोमनाथ को डीलिट व पद्मश्री डॉ एचसी वर्मा को डीएससी की मानद उपाधि
- 54 शोधार्थियों को मिली पीएचडी की डिग्री, हर्षिता रही विश्वविद्याय की टॉपर

कुलाधिपति के साथ मेधावी छात्र-छात्राएं।

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के सातवें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति व राज्यपाल ले. जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने स्नातक व स्नातकोत्तर के 54 मेधावी छात्र-छात्राओं को गोल्ड व 51 को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया। साथ ही 59 शोधार्थी छात्रों को पीएचडी की उपाधि से नवाजा। स्वर्ण पदक प्राप्त करने में छात्राएं छात्रों से आगे रही।

मंगलवार को विवि परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कुलाधिपति ने युनिवर्सिटी टॉपर महिला प्रौद्योगिकी संस्थान से बीटेक इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग ब्रांच की हर्षिता शर्मा को विनोद देवी अग्रवाल मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ को डीलिट व सेवानिवृत्त प्रोफेसर पदमश्री प्रो. एचसी वर्मा को डीएससी की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। समारोह में राज्यपाल ले. जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि डिग्री हासिल करने के बाद जीवन में नई संभावनाओं के नये द्वार खुल गये हैं। भारत समेत पूरा विश्व आपकी प्रतिभा को नये प्रतिमान देने के लिए प्रतीक्षा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा के बल पर ज्ञान, कौशल और मूल्यों के साथ विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने का समय है। तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने छात्रों को रोजगार तलाशने की बजाय स्वरोजगार के अवसरों को अपनाने व दूसरों को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए स्वयं को साबित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के युग में अपनी प्राचीन सभ्यता व संस्कृति को बचाये रखने की ओर भी ध्यान देने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि पदमश्री प्रो.एचसी वर्मा ने कहा कि तकनीकी विकास से देश में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं। छात्रों को हर तरह की परिस्थितियों के लिऐ तैयार व आगे बढ़ते रहना होगा। विवि के कुलपति प्रो.ओकार सिंह ने छात्र-छात्राओं को अग्रगामी सोच रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्र जीवनभर धैर्यपूर्वक सुनने व सीखने की अपनी जिज्ञासु प्रवृत्ति को बनाये रखें।

समारोह में अपर सचिव तकनीकी शिक्षा स्वाति भदौरिया ने भी विचार व्यक्त किये। कुलसचिव प्रो. सत्येन्द्र सिंह ने आभार जताया। इस मौके पर वित्त नियंत्रक बीके जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, कार्यपरिषद व विद्या परिषद के सदस्य समेत अनेक प्राध्यापक मौजूद थे।